हिन्दी साप्ताहिक

बतकही

RNI No. UPHIN/2021/82967

वर्ष 3 अंक 51 | फतेहपुर, सोमवार 29 जुलाई 2024 | पृष्ठ 4 मूल्य 1 रूपया

हर परियोजना के लिए एक अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करें : योगी

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर आजमगढ़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कलक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों को लेकर मंडलीय समीक्षा बैठक की। बैठक में आजमगढ़ कानून–व्यवस्था की भी अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने राजस्व, कानून और बिजली व्यवस्था और गोशालाओं से संबंधित जानकारी ली और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मंडल के जनप्रतिनिधियों के

जनपद के अधिकारी और मंडल के जनप्रतिनधि शामिल रहे। जबकि, अन्य जनपदों के अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।

उन्होंने कहा कि अफसर परियोजनाओं की समीक्षा हर 15 दिन में स्वयं करें। इसके साथ ही मंडल के तीनों जिलों आजमगढ़, बलिया और मऊ के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी ने हरिहर में निर्माणाधीन संगीत महाविद्यालय का भी निरीक्षण किया। लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री का जिले में पहली बार आगमन हुआ।सीएम योगी ने शासन की जनहित एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं की नियमित रूप से निगरानी की जाए। हर परियोजना के लिए एक अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करें, जो हर सप्ताह प्रगति की रिपोर्ट दे। वरिष्ठ अधिकारी हर 15 दिन पर परियोजनाओं की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। कोई परियोजना लेट नहीं होनी चाहिए। जाम की समस्या नहीं होने पाए, सड़क पर गाड़ियां खड़ी नहीं हों, पटरी व्यवसायियों को भी व्यवस्थित किया जाए। मुख्यमंत्री ने सगड़ी तहसील के देवरा क्षेत्र में बहने वाली घाघरा नदी के जलस्तर की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए। साथ ही तैयारियों के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा सीएम योगी ने कानून व्यवस्था को लेकर भी समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर प्रकार के माफिया पर सख्त कार्रवाई की जाए।

रांची के बुढ़मू में महिला और तीन साल की बच्ची के शव तालाब से मिले, पति पर हत्या का आरोप

रांची रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र में साड़म गांव की संगीता देवी और उसकी तीन साल की बेटी अनुष्का के शव सोमवार को गांव के एक तालाब से बरामद किए गए।

संगीता देवी के मायके वालों ने उसके पति डब्लू यादव पर मां–बेटी की हत्या कर मामले को आत्महत्या का रूप देने की साजिश का आरोप लगाया है। उनकी शिकायत पर पुलिस ने डब्लू यादव को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया है। मृतका के पिता डहरू यादव ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि 2020 में शादी के बाद से ही उनकी बेटी संगीता के साथ उसका पति और ससुराल वाले मारपीट करते थे। वे शादी के बाद भी मायके से दहेज लाने की मांग करते थे। दो संतानें होने के बाद भी यह सिलसिला नहीं रुका। पिछले कुछ महीनों से संगीता अपने दो बच्चों के साथ मायके में ही थी। रविवार को डब्लू यादव उन्हें लेकर अपने गांव आया था और इसके अगले ही दिन संगीता और उसकी तीन साल की बच्ची के शव तालाब में मिले।

डब्लू और उसके घरवालों ने गांव में यह शोर मचाया कि संगीता ने खुद अपनी बच्ची के साथ तालाब में कूदकर

जान दी है। परिजनों की मानें तो संगीता के गले, आंख और चेहरे पर चोट के निशान हैं। बुढ़मू थाना के एक अफसर ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शवों के पोस्टमार्टम से भी स्थिति स्पष्ट होगी। मामले की तहकीकात जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर नेमप्लेट लगाने के आदेश पर लगाई रोक

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी दुकानों पर नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी किया था। इस पर

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रोक लगा दी। कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी भोजनालयों और ढाबों पर मालिकों और कर्मचारियों के नाम लिखने का आदेश दिया गया था। श्रावण मास आज से ही शुरू हो रहा है। भक्त और श्रद्धालु कांवड़ लेकर भोले शंकर को जल चढ़ाने के लिए कई किलोमीटर की यात्रा करते हैं। उसी यात्रा के दौरान कई दुकानों और ढाबों से वो खाने का सामान व अन्य चीजें खरीदते हैं।

यूपी सरकार ने सबसे पहले आदेश जारी कर इन दुकानों पर मालिकों का नाम लिखने का आदेश जारी किया था ताकि श्रद्धालु अपनी पसंद की दुकान से सामान खरीद सकें। उसके बाद ऐसा ही आदेश उत्तराखंड सरकार ने भी जारी किया। इस आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए जस्टिस ऋषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि श्रद्धालुओं को मानक स्वच्छता बनाए रखते हुए उनकी पसंद का भोजन परोसा जा सकता है। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार, राज्य भर में सभी खाद्य दुकानों, भोजनालयों और फूड जॉइंट्स को मालिकों,प्रोपराइटरों और कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने वाली नेमप्लेट लगानी होगी। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा करने वाले हिंदू श्रद्धालुओं की ष्आस्था की पवित्रता बनाए रखने के लिए आदेश जारी करने की बात कही गई थी। आदेश के अनुसार, यात्रा मार्ग पर हलाल प्रमाणन वाले उत्पाद बेचने वालों पर भी दंडात्मक कार्रवाई की जानी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी है।

बांग्लादेश के लोगों को शरण देने के बयान पर भड़का विहिप

ममता बनर्जी को सुनाई खरी-खरी

नयी दिल्ली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एक रैली में बांग्लादेश के लोगों को शरण देने के बयान को देश में काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। देश के आम लोगों से लेकर कई नेता इस बयान का विरोध कर रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव सुरेंद्र जैन ने ममता बनर्जी के इस बयान की निंदा की है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत ने बांग्लादेश को जन्म दिया है। इसलिए बांग्लादेश में कुछ भी होता है, इसका सीधा असर भारत पर पड़ता है। बांग्लादेश में लगभग 12000 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, उनका जीवन संकट में है। अगर ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों के स्वागत की बजाए यह कहती कि वह केंद्र सरकार के साथ मिलकर उन विद्यार्थियों को सकुशल भारत लाने में सहयोग करेंगी तो पता चलता कि ममता बनर्जी का कहीं न कहीं पश्चिम बंगाल के साथ लगाव है। वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, यह शर्म की बात है कि इस त्रासदी में भी वह अपने वोट बैंक का अवसर ढूंढ रही हैं।" वह आगे कहते हैं, "ममता इस आपदा में वोट बैंक बढ़ाने का अवसर ढूंढ रही हैं। आप बांग्लादेशी मुसलमानों को लाना चाहती हैं। क्या बांग्लादेश में रहने वाला हिंदू, हिंदू नहीं है। आप बंगाल की अस्मिता की बात करती हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं की लड़कियों को उठाया जा रहा है, मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। वहां नरसंहार हो रहा है। बांग्लादेश के कई क्षेत्र हिंदुओं के लिए कब्रिस्तान बनते जा रहे हैं। इस आपदा में अगर आप यह कहती कि खबरदार बांग्लादेश में बंगालियों की तरफ अगर किसी ने अगर आंख भी उठाई, तो समझ में आता कि आपको पश्चिम बंगाल के लोगों की चिंता है। ना आपको देश की चिंता है, ना आपको बंगाल की चिंता है। बांग्लादेशी घुसपैठियों का यह खेल आत्मघाती है, जो ना आपके लिए हितकर है और ना ही पश्चिमी बंगाल के लिए। इसलिए बांग्लादेशी घुसपैठियों की चिंता को छोड़कर पश्चिम बंगाल की चिंता करो, देश की चिंता करो, संविधान की चिंता करो क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठियों का स्वागत किसी हाल में नहीं हो सकता।"

आरएसएस देशभक्त संगठन, कांग्रेस ने राजनीतिक कारणों से लगाया था गलत प्रतिबंध : पीयूष

नयी दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देशभक्त और सांस्कृतिक संगठन बताते हुए कहा है कि कांग्रेस ने राजनीतिक कारणों से गलत प्रतिबंध लगाया था और मोदी सरकार ने इस गलती को सुधार दिया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को भारत सरकार ने हटा दिया है, वे इसका स्वागत करते हैं।

सम्पादकीय

कांवड़ यात्रा विवाद

सावन के माह में शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा का लंबा पौराणिक इतिहास रहा है। आस्था के साथ इसका सांप्रदायिक सौहार्द का पक्ष भी सबल रहा है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के एक हालिया आदेश से एक अनावश्यक विवाद को बल मिला है। दरअसल, प्रदेश सरकार ने आदेश दिया है कि कांवड़ मार्गों पर सभी खाद्य व पेय पदार्थों की दुकानों तथा होटलों के संचालकों व मालिकों को अपना नाम व पहचान प्रदर्शित करनी होगी। दलील दी गई है कि कांवड़ध्ाारियों की आस्था की पवित्रता को बनाये रखने तथा कांवड़ियों की शांतिपूर्ण आवाजाही सुनिश्चित करने के लिये आधिकारिक तौर पर यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हलाल–प्रमाणित उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों के नेताओं व अन्य संप्रदायों के लोगों ने आदेश को अल्पसंख्यकों को अलग–थलग करने की कोशिश बताया है। दरअसल, एक पखवाड़े से अधिक समय तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों और दुकानदारों के बीच अक्सर हिंसा देखने में आती रही है। जिसकी मुख्य वजह यह रही है कि कांवडिघ्यों और दुकानदारों के बीच मांसाहारी भोजन को लेकर बहस व विवाद होता रहा है। यही वजह है कि अगस्त, 2018 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान भड़की हिंसा व टकराव में निजी व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लिया था। इतना ही नहीं, वर्ष 2022 में हरिद्वार में हरियाणा के कांवड़ियों के साथ हुए विवाद में सेना के एक जवान की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी।निस्संदेह, कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न प्रकार के टकरावों से बचने के लिये राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि यात्रा मार्ग पर पर्याप्त संख्या पर पुलिसकर्मियों को तैनात करे। ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा व गड़बड़ी को टाला जा सके। लेकिन एक बात तय है कि अल्पसंख्यकों द्वारा संचालित दुकानों को चिन्हित करने से न केवल सांप्रदायिक अलगाव को बढ़ावा मिलेगा, इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि इससे कांवड़ियों व राहगीरों के बीच कोई टकराव नहीं होगा। दूसरी ओर केंद्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार में शामिल भाजपा के दो सहयोगियों जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी ने भी यूपी सरकार के इस आदेश की आलोचना की है। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस आदेश को असंवैधानिक बताया है। यह साफ है कि उत्तर प्रदेश में हाल के लोकसभा चुनावों में ध्रुवीकरण की रणनीति भाजपा के लिये लाभदायक साबित नहीं हुई थी। लेकिन पार्टी राज्य में होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले इसे फिर आजमाने के प्रलोभन से बच नहीं पायी है। दरअसल, चुनावी उलटफेर के बाद अपेक्षित चुनाव परिणाम हासिल न कर पाने वाली भाजपा अपने निराश बहुसंख्यक मतदाताओं को फिर अपने पाले में करने के लिये लालायित नजर आ रही है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह चाल भाजपा के लिए उलटी भी पड़ सकती है।

दलित पिछड़ा निशाना है: मुसलमान तो बहाना है!

इस समय देश में दो यात्राएं चल रही हैं। एक अमरनाथ यात्रा जो पूरी मुस्लिम आबादी के बीच से होती हुई जाती है। दूसरी कांवड़ यात्रा जो अधिकांश हिन्दू आबादी के बीच से होती हुई निकलती है। जहां बीच–बीच में मिली–जुली आबादी भी है। अमरनाथ यात्रा सैकड़ों साल पुरानी है। तब भी नहीं रुकी जब कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था। जम्मू से कश्मीर होकर जाने का ही मार्ग है। एक बार पाक समर्थित हिजबुल मुजाहिदीन ने यात्रा रोकने की धमकी दी थी। आश्चर्यजनक रूप से दूसरा सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन जो कश्मीर में आतंकवाद शुरू करने वाला भी माना जाता है जेकेएलएफ (जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) हिजबुल के सामने खड़ा हो गया। जेकेएलएफ ने बाकायदा प्रेस नोट जारी करके कहा कि हम यात्रा को सुरक्षा देंगे। और अगर हिजबुल ने कोई गलती करने की कोशिश की तो उसे इसका गंभीर खामियाजा भुगतना पड़ेगा। यात्रा हुई। कश्मीर के मुसलमानों ने यात्रा का जबर्दस्त स्वागत किया। शान से हुई। और अभी भी चल रही है। रक्षाबंधन के दिन 19 अगस्त को खत्म होगी। यह है हमारे देश की मिलीजुली संस्कृति। हिन्दी हैं हमवतन हैं हिन्दोस्तां हमारा।

दूसरी तरफ इस बार कांवड़ यात्रा में खुद सरकार विवाद पैदा कर रही है। आजादी को रोकने के लिए अंग्रेजों ने जो हिन्दू पानी मुस्लिम पानी, हिन्दू चाय मुस्लिम चाय शुरू की थी। वह अब भाजपा सरकार कर रही है। कांवड़ यात्रा रूट पर मुसलमानों से कहा जा रहा है कि अपने खाने–पीने की दुकानों यहां तक की फलों के ठेले पर भी अपना नाम लिख कर टांगों।

जिस विभाजन को खत्म करके नेहरू ने भारत का नवनिर्माण किया था। उसे फिर बांटा जा रहा है। और यह यहां नहीं रुकेगा। मुसलमान की तो पहचान जगजाहिर है। उसके नाम से पता चलता है। और वह कभी छुपाता भी नहीं है। मगर दलित और पिछड़ों के लिए बहुत बड़ी मुश्किल खड़ी होगी। गांव से वह शहर इसीलिए आता है कि गांव में जाति के कारण उसे अलग थलग किया जाता है। प्रताड़ित भी। घोड़ी पर नहीं बैठ सकता। मूंछें नहीं रख सकता। अभी कई जगह तो चप्पल पहनकर घर के सामने से निकलने पर बुरी तरह मारा गया और चप्पल सिर पर रखवाकर जुलूस निकाला गया।शहर में उसे यह समस्या नहीं है। कोई उसकी जाति नहीं जानता। लेकिन अब यह जो शुरूआत की है नाम लिखाने की भारतीय के अलावा और पहचान बताने की वह उसे खाने–पीने का कोई काम नहीं करने देगा। बाकी जगह नौकरी करने पर भी असर पड़ेगा। सरकारी नौकरियां तो खत्म कर दीं।

नेपाल की नयी सरकार के साथ खुले दिमाग से पेश आना होगा

अरुण कुमार श्रीवास्तव

नेपाल में सीपीएन (यूएमएल)नेता केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में एक नयी सरकार ने सत्ता संभाली है। ओली 21 जुलाई को संसद में विश्वास मत हासिल करने के लिए तैयार हैं। साथ में सीपीएन (यूएमएल)और नेपाली कांग्रेस के गठबंधन के पास निचले सदन में कुल 167 सीटों के साथ एक आरामदायक बहुमत है, जो 138 सीटों की आवश्यक सीमा को पार कर जाता है। इससे ओली का विश्वास मत एक सीधी प्रक्रिया प्रतीत होती है। नेपाल, एक छोटा सा भू–आबद्ध देश है जो अपने ऊंचे हिमालय पर्वतों के लिए जाना जाता है। यह देश भारत और चीन के बीच अपने रणनीतिक स्थान के कारण भी महत्वपूर्ण भू–राजनीतिक महत्व रखता है इसलिए दोनों देश नेपाल में अपने–अपने प्रभाव के लिए होड़ करते हैं। भारत नेपाल में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजनयिक मिशन रखता है, जो नेपाल के सामरिक महत्व और देश के मामलों में भारत की गहरी रुचि को रेखांकित करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और कई यूरोपीय देश नेपाल में होने वाले घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखते हैं, क्योंकि वे इस क्षेत्र की भू–राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, चीन भी नेपाल में अपने प्रभाव को सक्रिय रूप से बढ़ा रहा है, खास तौर पर विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के जरिए। 2015 की घटना के नेपाली संस्करण के अनुसार, भारत ने उस वर्ष नेपाल पर आर्थिक नाकेबंदी लगाई थी, तथा भारत की सीमा से लगे मैदानी इलाकों में रहने वाले मधेसी समुदाय पर नये संविधान के प्रभाव को लेकर चिंता जताई गई थी। इस नाकेबंदी ने दोनों देशों के बीच संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया था, लेकिन कई महीनों के बाद इसे हटा लिया गया, जिससे नेपाली जनता की भावना में अधिक संतुलित विदेश नीति दृष्टिकोण की ओर बदलाव आया। केपी शर्मा ओली ने पहले प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, लेकिन भारत के साथ नेपाल के ऐतिहासिक संबंधों के बावजूद, अपने कार्यकाल के दौरान चीन की ओर झुकाव के लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। उनके प्रशासन ने चीन के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये, हालांकि भारत तक आसान पहुंच की तुलना में नेपाल के कठिन भूभाग द्वारा उत्पन्न रसद चुनौतियों के कारण कई समझौते अभी तक मूर्तरूप नहीं ले पाये हैं। ओली के चीन समर्थक रुख से असंतुष्ट होने के बाद, उनकी सरकार की लोकप्रियता कम हो गई, जिसके कारण 2019 में उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा। इसके बाद, पुष्पकमल दहल प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) के समर्थन से प्रधानमंत्री की भूमिका संभाली, तथा अपने कार्यकाल के दौरान वह कई अविश्वास प्रस्तावों से निपटे। अब केपी शर्मा ओली के सत्ता में लौटने के साथ, इस क्षेत्र के देश बड़ी बारीकी से देख रहे हैं कि उनका नेतृत्व नेपाल के नाजुक भू–राजनीतिक संतुलन और भारत और चीन के साथ उसके संबंधों को कैसे प्रभावित करेगा। उनका आगामी विश्वास मत आने वाले महीनों में नेपाल के शासन की स्थिरता और दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होगा। नेपाल में एक नई सरकार को एक गंभीर दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो बेरोजगारी और शिक्षा जैसे पुराने मुद्दों को संबोधित करे। स्थायी समाधान की कुंजी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और पर्याप्त निवेश में निहित है। नेपाल के शासन में राजनीतिक अस्थिरता की विशेषता रही है, जो राष्ट्र निर्माण और संस्थागत विकास और आर्थिक प्रगति में बाधा डालती है। स्थायी परिणाम प्राप्त करने के लिए नागरिकों, नीति निर्माताओं और हितधारकों की ओर से धैर्य और प्रतिबद्धता के साथ भागीदारी की आवश्यकता होती है। नेपाल की भविष्य की सफलता के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाना और यथार्थवादीअपेक्षाएं निर्धारित करना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में, मीडिया और बुद्धिजीवी अक्सर राजनीतिक घटनाक्रमों को सनसनीखेज बनाते हैं, अस्थिरता को बनाये रखते हैं, और राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण दीर्घकालिक लक्ष्यों से ध्यान भटकाते हैं। नेतृत्व परिवर्तन का आवर्ती चक्र, जिसका उदाहरण केपी शर्मा ओली के कार्यकाल में हुए बदलाव हैं, निरंतर चुनौती को दर्शाता है। केवल भू–राजनीतिक पैंतरेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, नेपाल की समृद्धि का मार्ग आंतरिक चिंतन और एक दशक या उससे अधिक समय तक जमीनी स्तर पर निरंतर प्रयासों पर टिका है। तभी जाकर नेपाल पड़ोसी भारत के साथ संबंधों जैसे बाहरी चिंताओं से सार्थक रूप से जुड़ सकता है। भारत नेपाल में नई सरकार के गठन को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखेगा, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जिनमें अपार संभावनाएं हैं। नेपाल का ऊर्जा परिदृश्य, विशेष रूप से जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा में, सहयोग के लिए आशाजनक रास्ते प्रस्तुत करता है। भारत की पर्याप्त बिजली की मांग को देखते हुए, नेपाल की जलविद्युत क्षमताओं का दोहन पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित हो सकता है। इसके अलावा, नेपाल के माध्यम से रेल मार्ग जैसी रणनीतिक अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारत के उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी को बढ़ा सकती हैं, जो चल रही पहलों का पूरक है। ईको–टूरिज्म द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक और आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। नेपाल अन्नपूर्णा रेंज जैसे प्राचीन स्थलों की पेशकश करता है, जो उच्च–बजट वाले यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। नेपाल के पर्यटन बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा देकर भारत को लाभ होगा। आर्थिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, यह इस बात से स्पष्ट है कि नेपाल भारत को धन भेजने वाला सातवां सबसे बड़ा देश है। आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने से छोटे–मोटे विवादों को सुलझाने से परे पर्याप्त पारस्परिक लाभ मिल सकते हैं। इसलिए, नेपाल के पर्यटन बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा देने से भारत को लाभ होगा। दोनों देशों को विवादास्पद मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय आर्थिक तालमेल को अधिकतम करने की दिशा में काम करना चाहिए।नेपाल में नये प्रशासन के आने के साथ ही, आर्थिक समृद्धि और रणनीतिक सहयोग पर आधारित संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। द्विपक्षीय मुद्दों को संबोधित करने के अलावा, नेपाल क्षेत्रीय संघर्षों में मध्यस्थ के रूप में महत्वपूर्ण क्षमता रखता है। भारत और चीन के बीच टकराव अक्सर सुर्खियों में रहता है। नेपाल की संघर्षरत दलों के बीच शांति को बढ़ावा देने की क्षमता एक आकर्षक संभावना है। भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण एशिया का भू–राजनीतिक परिदृश्य नेपाल की सर्वसम्मति निर्माता के रूप में संभावित भूमिका को रेखांकित करता है। उदाहरण के लिए, पिछले तीन वर्षों में म्यांमार के स्थायी सैन्य शासन और नागरिक अशांति और बांग्लादेश में रोहिंग्या संकट के बीच हस्तक्षेप की आवश्यकता है। शांति सुविधाकर्ता के रूप में काठमांडू का उभरना एक उल्लेखनीय उपलब्धि होगी। भारत और चीन के बीच रास्ता बनाने के अपने वर्तमान जुनून को पार करने के लिए, नेपाल को अपने अंतरराष्ट्रीय कद और जुड़ाव को व्यापक बनाना होगा। क्षेत्रीय सीमाओं से आगे बढ़ते हुए, काठमांडू को अपने निकटतम पड़ोसियों से परे भी गठबंधन तलाशना चाहिए।

डीएम की अध्यक्षता में महसी में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

बहराइच। तहसील महसी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस अधीक्षक बृन्दा शुक्ला, मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर, उप जिलाधिकारी अखिलेश कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ करें। जनसमस्याओं के निस्तारण अनावश्यक हीला–हवाली को अत्यन्त गम्भीरता के साथ लिया जाएगा। डीएम ने निर्देश दिया कि न्यायालय द्वारा निर्णित प्रकरणो में समय से पैमाइश सुनिश्चित की जाय। डीएम ने सचेत किया कि ऐसे प्रकरणों में यदि किसी प्रकार के विलम्ब की शिकायत मिलती है तो सम्बन्धित को निलम्बित करने

निस्तारण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक संतोष कुमार श्रीवास्तव के स्तर पर पैमाईश से सम्बन्धित कई प्रकरण लम्बित पाये जाने पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है।

डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसमस्याओं का की कार्यवाही की जाएगी। डीएम ने निर्देश दिया कि अतिक्रमण से मुक्त कराये गये मार्गों, सार्वजनिक स्थानों इत्यादि पर दोबारा कब्ज़े की शिकायत मिलने पर सम्बन्धित के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराते हुए नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाय। डीएम ने कहा कि रास्ते के विवाद से सम्बन्धित मामलों का थाना दिवस के माध्यम पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावी निस्तारण किया जाय।

इस अवसर पर डीएफओ बहराइच अजीत प्रताप सिंह, ए.सी.एम.ओ. डॉ. राजेश कुमार, पीडी डीआरडीए अरूण कुमार सिंह, डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, जिला विकास अधिकारी राज कुमार, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द कुमार शुक्ला, सहायक निदेशक मत्स्य डॉ. जितेन्द्र, जिला पंचायत राज अधिकारी राघवेन्द्र द्विवेदी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, अधि.अभि. जल निगम कमला शंकर सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ महसी हेमन्त यादव, तेजवापुर की अनुष्का, फखरपुर के अजय कुमार सिंह व शिवपुर के राजेन्द्र कुमार सहित बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्ष मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील नानपारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 29 में 05, कैसरगंज में 82 में 08, पयागपुर में 76 में 05, महसी में 91 में 14, मिहींपुरवा में 15 में 02 तथा तहसील सदर में प्राप्त 23 प्रार्थना–पत्रों 04 को निस्तारण मौके पर किया गया। तहसील पयागपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस का मण्डलायुक्त देवीपाटन गोण्डा शशि भूषण लाल सुशील ने औचक निरीक्षण तथा जनसमस्याओं की सुनवाई

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, बाइक सवार अधेड़ की मौत

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन में सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां झांसी–कानपुर नेशनल हाईवे–27 पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे को देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने चेकअप करने के बाद उसे मृत्य घोषित कर दिया। वहीं स्थानीय पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना एट कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झांसी कानपुर नेशनल हाईवे–27 स्थित हरदोई गुजर सोमई लिंक रोड कट के पास की है। बताया गया कि कोटरा थाना क्षेत्र के गांधी नगर के रहने वाले प्रेमचन्द्र (55) पुत्र जयराम अपनी मोटर साईकिल यूपी 92 एएन 2146 से हरदोई गुजर गया था। जहां से वह वापस अपने घर कोटरा जा रहा था और वह सोमवार तकरीबन 11 बजे के आस–पास हरदोई गूजर रोड से हाईवे पर निकलते समय सोमई ग्राम कट के पास पहुंचा, तभी किसी अज्ञात ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर होने से बाइक सवार प्रेमचंद्र गम्भीर रूप से घायल हो गया, और उसकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इस आशिक को देख वहां से निकलने वाली राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही एट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने एम्बुलेंस की मदद से घायल को तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज उरई में भर्ती कराया। मगर चिकित्सकों ने चेकअप करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं इस हादसे की जानकारी जैसे ही परिजनों को हुई वे भी मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जिनका रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस ने मृतक प्रेमचंद के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

डीआरएम के खिलाफ नारेबाजी,रेल कर्मियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर रेलवे के मुख्यालय पर लखनऊ में सोमवार को रेल कर्मियों ने धरना प्रदर्शन किया है। मुख्यालय परिसर में दो हजार कर्मियों ने डीआरएम और सीनियर डीसीएम के खिलाफ नारेबाजी की है। मांगे पूरी नहीं होने पर कर्मचारी नाराज हैं। ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन एआईआरएफ के केंद्रीय महामंत्री शिवगोपाल मिश्र का कहना है कि स्थाई वार्ता तंत्र (पीएनएम) की बैठकों में रेलकर्मियों के मुद्दों को आश्वासन के बाद भी निस्तारित नहीं किया गया, जिससे नाराज रेल कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे। उन्होंने कहा कि यूनियन द्वारा दिए गए ज्ञापन में अधिकांश बातें रेल कर्मचारियों के तनाव मुक्त कार्य के लिए है। रेल उत्पादकता, संरक्षा कर्मचारी कल्याण से जुड़ी हैं, लेकिन अधिकारी इनका समाधान करने के बजाय टकराव के रास्ते पर चल रहे हैं। जो रेल कर्मचारी 24ग्7 रेल सेवा में लगे हुए हैं। उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति प्रशासन की उदासीनता कर्मचारियों की कार्यक्षमता प्रभावित कर रही। नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन, लखनऊ मंडल के महामंत्री राकेश कुमार पांडे ने बताया कि मृतक आश्रित की नौकरियों में योग्यता के आधार नौकरी नहीं दी जा रही। बीटेक एमटेक पास युवाओं को कुक की नौकरी दे रहे। प्रमोशन वाली सीटों पर सीधी भर्ती से कर्मचारियों का प्रमोशन नहीं हो रहा। मृतक मेडिकल आधार पर कैटेगरी को बदलने में भी विसंगतियां पैदा हो रही है। नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन की सहायक महामंत्री प्रीति सिंह ने कहा कि अनुकंपा के आधार पर मिलने वाली नौकरियां 1 साल से नहीं दी गई हैं। यदि दी भी जा रही हैं तो शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को बहुत चुनौती पूर्ण काम में लगाया जा रहा। इसके चलते परेशानी हो रही। उन्होंने कहा कि 12– 12 घंटे तक कर्मचारी काम कर रहे, लेकिन उनकी मांग नहीं सुनी जा रही। मंडल अध्यक्ष विभूति मिश्रा ने कहा कि अगर रेल प्रशासन कर्मचारियों की मांग को पूरा नहीं करता है तो नॉर्दर्न मेंस रेलवे यूनियन बड़ा प्रदर्शन करेगी। उनका कहना है प्रशासन की अनदेखी के चलते कर्मचारी परेशान हो रहे।

बाहर बैठे रह गए परिजन, अंदर बेटे ने कर ली खुदकुशी

बांदा(संवाददाता)। जिले में अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। जैसे ही परिजनों ने देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा के तिंदवारी थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरती गांव का हैं। जहां के रहने वाले राजेश पुत्र मौकू शाम को घर आया और अपने कमरे में चला गया, जब काफी देर तब बाहर नहीं निकला तो घरवालों ने दरवाजा

खटखटाया। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो राजेश फांसी के फंदे में झूल रहा था। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से नीचे उतारा और उसे तिंदवारी सीएचसी पहुंचाया। जहां पर डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं परिजनों ने बताया की राजेश सुबह से ठीक था। खाना खा कर वह सुबह निकला था। लेकिन पता नहीं क्या हुआ, उसने आकर फांसी लगा ली। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

चार पहिया वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर,एक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

बांदा(संवाददाता)। जनपद में चार पहिया वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसकी वजह से बाइक में बैठे दो लोग घायल हो गए। वहीं एक घायल की हालत गंभीर देखते हुए उसे बांदा जिला अस्पताल रेफर किया गया । जहां पर अस्पताल में लाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। आपको बता दें कि पूरा मामला बिसंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुनाहुर गांव का है। जहां पर देर रात को चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसकी वजह से बाइक में बैठे दो लोग घायल हो गए। ग्रामीणों ने जैसे ही देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बिसंडा सीएचसी पहुंचाया। जहां पर घायल का इलाज किया जा रहा है। वहीं दूसरे घायल दुर्बीजय की हालत गंभीर देखते हुए बांदा जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां पर रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मिली जानकारी के अनुसार ये अपनी बहन के यहां आए हुए थे, लौटते समय ये हादसा हुआ है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

शिवालयों में उमड़ी भक्तो की भीड़, किया जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक

बांदा(संवाददाता)। आज से सावन का महीना प्रारंभ हो चुका है। वहीं आज सावन का पहला सोमवार है। ऐसे में बांदा में सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। शिव भक्त महादेव को जल व दूध से अभिषेक कर फूलों से श्रृंगार कर रहे हैं। इसके साथ ही शिवालयों में विधिवत पूजा की जा रही है। भक्त बेलपत्र, चंदन, गंगाजल, गाय का कच्चा दूध, भांग, धतूरा आदि का चढ़ावा चढ़ा रहे हैं। बता दें कि पहली सोमवारी होने के कारण शिवभक्तों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। सभी अपने आराध्य के पूजन–अर्चन के लिए शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी है। पहली सोमवारी के अवसर पर शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। आज सावन का पहला सोमवार है, इसको लेकर शिव मंदिरों में शिवभक्तों की भीड़ लगी हुई है। लोग अपनी–अपनी मनोकामनाओं को लेकर भगवान भोलेनाथ का पूजन–अर्चन और जलाभिषेक कर रहे हैं। लोग भांग, धतूरा, बेलपत्र, शहद दूध आदि भगवान भोलेनाथ को अर्पित कर रहे हैं। बांदा शहर के वामदेवेश्वर पर्वत पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भी भक्तों की भारी संख्या में भीड़ लगी हुई है। भक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन पूजन–अर्चन कर रहे हैं। इसके अलावा बांदा के पैलानी क्षेत्र के महाकालेश्वर मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ जमा है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां पर भगवान शिव का जलाभिषेक नहीं किया जाता है, यहां पर उनका दुग्धाभिषेक किया जाता है। लोग भगवान को दूध से नहला रहे हैं, उनका अभिषेक कर रहे हैं।

5 साल के अफेयर के बाद थाने में शादी

बांदा(संवाददाता)। जिले में एक युवक–युवती का 5 सालों से अफेयर चल रहा था और दोनों शादी करना चाहते थे। लेकिन लड़की के घर वाले तैयार नहीं थे। इसी बात पर लड़की थाने पहुंच गई। फिर पुलिस ने दोनों के परिजनों को बुलाया और समझाया इसके बाद वह शादी को तैयार हो गए हैं। ये पूरा मामला बांदा के अतर्रा कोतवाली क्षेत्र का है। यहां की रहने वाली लड़की का चित्रकूट के रहने वाले एक युवक से पिछले 5 सालों से अफेयर चल रहा था। लड़की युवक से शादी करना चाहती थी लेकिन लड़की के घर वाले राजी नहीं थे। इसी बात को लेकर लड़की थाने पहुंच गई और पुलिस से शादी करने की बात कही। पुलिस ने पहले तो उसकी बात सुनी फिर लड़की और लड़के के परिजनों को थाने बुलवाया और दोनों को समझाया। पुलिस के समझाने के बाद परिजन शादी के लिए राजी हो गए। इसके बाद थाने में बने मंदिर में दोनों ने एक दूसरे को माला पहनाई और शादी की।

डीएम ने एआरटीओ कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

फतेहपुर। जिलाधिकारी सी०इन्दुमती ने सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय (एआरटीओ) का औचक निरीक्षण किया, के दौरान उन्होंने रिकार्ड रूम, कार्यालय के पटल सहायकों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं कार्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। कार्यालय परिसर के आस पास अवैध दुकानों एवं दलालों का मामला संज्ञान में आने पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए एआरटीओ को तत्काल निर्देषित किया कि बिचौलियों के माध्यम से कोई भी कार्य न हो, जिससे आम जन मानस का कार्य सुगमता से हो। तथा किसी भी पटल पर प्राइवेट लोगो से कार्य न कराया जाय और कार्यालय परिसर के आस पास जितनी भी दुकाने संचालित है उनकी जांच कर आख्या तीन दिन के अन्दर प्रस्तुत करे, साथ ही यह भी निर्देष दिए कि कार्यालय में साफ सफाई का विषेश ध्यान रखा जाए एवं जो भी प्रार्थना आते है उनका सूचितापूर्ण एवं पारदर्षी तरीके से निस्तारण हो। रिकॉर्ड रूम में पर्याप्त जगह न पाए पर नया रिकॉर्ड रूम बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर षासन स्तर पर पत्राचार करते हुए संबंधित रिपोर्ट से अवगत कराने के निर्देष दिए और कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस, वाहनों का परमिट, रजिस्ट्रेषन, वाहनों का फिटनेस, बीमा आदि का कार्य समय से किया जाय। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अविनाष त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप, पुलिस क्षेत्राधिकारी, एआरटीओ प्रषासन पुश्पांजलि मित्रा गौतम, प्रवर्तन सहित संबंधित उपस्थित रहे।

पिता-पुत्री गंभीर रुप से घायल, अस्पताल मे भर्ती

बिंदकी, फतेहपुर। थाना क्षेत्र के केवाई गांव के समीप तेज रफ्तार बाइक नील गाय से टकरा गई। जिसमें एक बाइक में सवार पिता पुत्री गम्भीर रुप से घायल हो गए। घायल अवस्था मे उसको एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार बिन्दकी थाना क्षेत्र के रडमस्तपुर निवासी अंजली 17 वर्शीय पुत्री धर्मपाल सिंह पिता धर्मपाल 45 वर्शीय पुत्र राम अवतार बाइक पर सवार होकर पुत्री को अस्पताल दिखाने तेंदवारी जा रहें थे। तभी केवाई गांव के समीप सामने से नील आ गई। जिसे धर्मपाल की बाइक से उसकी भिड़ंत हो गई। जिसमें अंजली और धर्मपाल गम्भीर रुप से घायल हो गए। घटना की सूचना राहगीरो ने 108 सरकारी एंबुलेंस को दी। घटनास्थल पर पहुंची। सरकारी 102 एम्बुलेन्स घायल को इलाज के लिए सी.एच.सी बिंदकी लेकर पहुँची। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद 108 सरकारी एंबुलेंस से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तो वही एंबुलेंस कर्मचारी ब्रजेष कुमार ने दोनों गंभीर रूप से घायल मरीज को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहा डॉक्टर उनका उपचार कर रहे है।

घर के अंदर कूलर करंट में चिपक कर युवक की मौत

बिंदकी, फतेहपुर। घर के अंदर कलर के करंट में चिपक कर एक व्यक्ति की मौत हो गई जिसके चलते परिजनों में हड़कंप मच गया परिजन रो–रो कर बेहाल हो रहे थे सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची पुलिस ने षव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के छीछा गांव में बुधवार की रात को घर के अंदर कूलर के करंट में चिपक कर महेष सिंह भदोरिया उम्र लगभग 37 व पुत्र स्वर्गीय चंद्रभान सिंह भदोरिया की दर्दनाक मौत हो गई। महेष सिंह की मौत के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया परिजन रो–रो कर बेहाल हो रहे थे गुरुवार की सुबह मृतक के बड़े भाई षिव वीर सिंह ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को सूचित किया पुलिस गांव पहुंची षव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया इस मामले में उप निरीक्षक सरनाम सिंह ने बताया कि कूलर के करंट में चिपक कर महेष सिंह भदोरिया की मौत की जानकारी मिली थी षव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बरसात दौरान गिरी पीपल की भारी डाल, टूटे बिजली के तार

जहानाबाद, फतेहपुर। जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सैकापुर निवासिनी आषा देवी पति राम बहादुर निशाद के यहां दिनांक 24 जुलाई 2024 को प्रातः 6.30 बजे हुई बरसात के दौरान दरवाजे षायन में खड़े विषाल पीपल वृक्ष की ऊपर से मोटी डाल गिर जाने पर लगभग 75 हजार से अधिक की भैंस दब जाने पर ग्रामीणों द्वारा घंटो कड़ी मषक्कत बाद मोटी डाल हटाई जा सकी किन्तु जब तक भैंस बुरी तरह घायल हो चुकी थी। भैस मालिक द्वारा पषु चिकित्सक को बुलवाकर उपचार कराया गया, किन्तु कुछ घंटे बाद उसे बचाया नहीं जा सका। ऊंचाई से पीपल की मोटी डाल गिरने पर घर की दीवारों को भी नुकसान होने के साथ–साथ मवेषियों के लिए बने टट्टर व छप्पर छतिग्रस्त हो गए। लोगों के सहयोग से गिरी भारी डाल को आनन फानन काट कर हटाया गया। डाल के गिरने से बिजली खम्भों में बंधे बिजली के नंगे तार एवं कनेक्षन धारकों की बंधी हुई केविले टूटकर नीचे आई। गलीमत यह रही की तार टूट कर गिरते ही बिजली आपूर्ति बंद हो गई तो वहीं बरसात के दौरान प्रातः आवागमन न होने और घरेलू लोगों द्वारा काम न किये जाने से बड़ी अनहोनी व बड़ी घटना से भी बचाव हो सका। टूटे हुए तारों की विद्युत कर्मचारियों द्वारा मरम्मती करण वाद षाम 6 बजे आपूर्ति बहाल हुई तब लोगों ने राहत की सांस ली, और गलीमत यह रही की कोई जनहानि ना होकर पषुहानि हो गई।

हाइवे पर अनियंत्रित होकर स्कार्पियो पलटी

चौडगरा, फतेहपुर। औग थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव के समीप नेषनल हाइवे पर कानपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पलटी जिसमे सवार महिमा पिता षिव प्रकाष निवासी युवराज नगर जी टी रोड खागा अर्चना पति नीरज तिवारी निवासी देवीगंज फतेहपुर साथ मे छोटा बच्चा व षैलेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र योगेंद्र नारायण सिंह निवासी नई बाजार खागा मामूली रूप से घायल हुए जिन्हे सूचना पर औग थाने से क्राइम इस्पेक्टर मनोज कुमार पाण्डेय टीम के साथ पहुंचकर उपचार हेतु एम्बुलेंस के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालगंज भेजवाया तथा पुलिस टीम ने राहगीरों की मदद से हाइवे पर पलटी स्कार्पियो को सीधा करवाया।

अत्याचार से त्रस्त युवक ने थाना बकेवर में दर्ज कराई शिकायत

बकेवर, फतेहपुर। सुजावलपुर गांव के निवासी बबलू (पुत्र श्री कंधईलाल) ने थाना बकेवर में अपने पिता, भाई और माता के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए षिकायत दर्ज कराई है। बबलू ने बताया कि 24 जुलाई सुबह लगभग 7 बजे उनके पिता कंधईलाल, भाई अंकित और माता ने मिलकर उनकी पत्नी को लात–घूसों और ईंट से मारा–पीटा। इस हमले में बबलू और उनकी पत्नी को गंभीर चोटें आई हैं। बबलू ने अपने षिकायती पत्र में उल्लेख किया है कि उनके माता–पिता उन्हें और उनके परिवार को लगातार प्रताड़ित करते हैं। वे उन्हें खाने को भी कुछ नहीं देते और मजबूरी में पन्नी तान कर गुजर–बसर करने पर मजबूर हैं। इसके बावजूद, उनके माता–पिता उनकी पत्नी को चाकू और हसिये से फाड़ देते हैं। बबलू ने यह भी बताया कि उनके माता–पिता उन्हें जान से मारने की धमकी देते हैं और घर छोड़कर भाग जाने के लिए कहते हैं। बबलू ने यह भी आरोप लगाया है कि पहले भी उनकी पत्नी के साथ मारपीट की गई थी, जिससे उनके गर्भ में पल रहा बच्चा खत्म हो गया था। इस मामले में बबलू ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है और परिवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना बकेवर के प्रभारी ने षिकायत दर्ज कर मामले की जांच षुरू कर दी है।

वदन योजना के तहत नागा बाबा कुटी का होगा सौंदर्यीकरण

फतेहपुर। किषुनपुर कस्बा स्थित नागा बाबा कुटी का सौंदर्यीकरण करायें जाने की पहल की गई है वंदन योजना के तहत नागा बाबा कुटी का होगा सौंदर्यीकरण को राज्यस्वय टीम ने भूमि पैमाइष करते हुए नगर पंचायत को रिपोर्ट दे दी है।

नगर पंचायत से षासन ने इस संबंध में प्रस्ताव मांगा है अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सोनकर जेई नगर पंचायत के साथ राज्यस्व टीम ने मंदिर परिशद की भूमि पैमाइष करते हुए रिपोर्ट दी है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि वंदन योजना के तहत प्रदेष के धार्मिक ,ऐतिहासिक स्थलों का विकास का सौंदर्यीकरण होगा।

तालाबों पर अतिक्रमण से रास्ते में भरा पानी

खागा, फतेहपुर। खखरेरू नगर पंचायत मुहल्ला रामनगर वार्ड (लोहान मुहल्ला) में बारिष की जरा सी अंगड़ाई में मुहल्ला वासियों सहित स्कूली छात्रों को रास्ते से निकलना दूभर कर दिया। खागा तहसील क्षेत्र के खखरेरू नगर पंचायत अन्तर्गत रामनगर वार्ड में कल दिनांक 24 जुलाई 2024 को मौसम की बारिष के चलते सड़क में जल निकासी की समुचित व्यवस्था व नालियों की साफ–सफाई ने होने के कारण जल भराव ले लिया। जिससे मुहल्ला वासियों सहित स्कूली छात्रों को रास्ते से निकलने के लिए दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है। वही ग्रामीण वासी अवध नरायन तिवारी, मोहनलाल विश्वकर्मा, राजेष विश्वकर्मा आदि ने बताया कि इसी रास्ते से स्कूली छात्रों सहित दूर दराज आने जाने वालों को आना–जाना पडता है। सरासा पैर फिसल जाए तो सारे कपड़ों की रंगत बदल जाती है। फिर कही भी आ जा नही सकते। यही हाल प्राइमरी पाठषाला जाने वाले छात्रों का हो जाता है।वही मुहल्ला वासियों ने बताया कि तालाब का अतिक्रमण हो जाने के कारण रास्ते में बारिष का पानी भर जा रहा है। जिसके कारण उत्पन्न होनेवाली समस्या से नगर पंचायत अध्यक्ष ज्ञानचंद केसरवानी को अवगत कराया गया है। लेकिन अभी तक जिम्मेदाराना लोगों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वही नगर पंचायत अध्यक्ष ज्ञानचंद केसरवानी ने बताया कि प्रस्ताव बनाकर षासन को भेजा गया है। जैसे ही स्वीकृति मिल जाएगा तत्काल जल समस्या का निस्तारण किया जाएगा।

सपा विधायक मदन गोपाल वर्मा का निधन

जहानाबाद, फतेहपुर। बिन्दकी कस्बे के घाटमपुर रोड टैम्पू टैक्सी स्टैंड के समीप पूर्व विधायक मदनगोपाल वर्मा के निधन पर उनका पार्थिव षरीर पैत्रिक गाँव ले जाते समय विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं कार्यकर्ताओं समाजसेवियों ने श्रध्दा सुमन अर्पित कर अश्रु पूरित नेत्रों से षोक श्रद्धांजलि अर्पित किया। अमौली विकास खंड के गाँव बकियापुर निवासी जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे समाजवादी पार्टी के वरिश्ठ नेता मदनगोपाल वर्मा का कानपुर में लम्बी बीमारी के चलते बुधवार को रात दस बजे निधन हो गया। जिसकी सूचना फैलते ही कस्बे सहित क्षेत्र में षोक की लहर दौड़ गयी। गुरुवार को सुबह दिवंगत पूर्व विधायक का पार्थिव षरीर कानपुर से उनके पैत्रिक गाँव बकियापुर क्षेत्रवासियों के दर्षनार्थ डीसीएम वाहन से ले जाते समय जहानाबाद कस्बे के घाटमपुर रोड स्थित टैम्पो टैक्सी स्टैंड के समीप विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं कार्यकर्ताओं व समाज सेवियो ने दिवंगत पूर्व विधायक के पार्थिव षरीर में श्रध्दा सुमन अर्पित कर अश्रु पूरित नेत्रों से षोक श्रधांजलि अर्पित किया। षोक संवेदना अर्पित करने वालो में सपा के वरिश्ठ नेता राजेन्द्र निगम पूर्व चेयरमैन समसाद खां,पन्नालाल पटेल,गिरजाषंकर वर्मा,षिवप्रसाद वर्मा,जयकरन गुप्ता समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष हसीब एडवोकेट, सभासद रिजवान कुरैषी, महेष सिंह यादव, अनुराग पटेल, अंषूसिंह, सीटू तिवारी, अलीम कुरैषी आदि लोग मौजूद रहे। इसके बाद दिवंगत पूर्व विधायक मदनगोपाल वर्मा का पार्थिव षरीर उनके पैत्रिक गाँव बकियापुर ले जाया गया। जहाँ पर हजारों की तादाद में लोगों ने अपने प्रिय नेता को अश्रु पूरित नेत्रों से षोक श्रद्धांजलि अर्पित किया। तत्पष्चात गंगा घाट भृगु धाम भिटौरा ले जाया गया । जहाँ पर उनके एकलौते पुत्र दीपक वर्मा ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दिया। इस मौके पर सपा के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह यादव, सदर विधायक चंद्र प्रकाष लोधी, विधायक ऊशा मौर्या, बिंदकी विधायक जयकुमार जैकी, जहानाबाद विधायक राजेन्द्र पटेल, पूर्व सांसद अषोक पटेल, पूर्व विधायक करन सिंह पटेल, नगर पालिका परिशद फतेहपुर के चेयरमैन राजकुमार मौर्य, बार एषोसिएषन के जिलाध्यक्ष राकेष वर्मा एडवोकेट, बालिराज उमराव एडवोकेट भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेष बाजपेयी, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विपिन यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीष सिंह पटेल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख कुष वर्मा, दया राम उत्तम, कोड़ा जहानाबाद के चेयरमैन सैयद आविद हसन बिन्दकी के पूर्व चेयरमैन मुन्ना लाल सोनकर आदि मौजूद रहे।

बतकही
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भूपेंद्र सिंह द्वारा दिशेरा प्रेस, श्याम नगर, खम्भापुर, फतेहपुर से मुद्रित तथा ग्राम– रामपुर पचभिटा, मकान नं. 193, पोस्ट– दावतपुर, थाना–मलवां, जिला– फतेहपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक
भूपेंद्र सिंह